

एक सर्वे के अनुसार, प्रदूषण के कारण तीन साल में 40% बच्चों को सांस की बीमारी होने की आशंका दिल्ली बच्चों के लिए अस्थमा की राजधानी बनी

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

दिल्ली बच्चों के लिए अस्थमा की राजधानी बनती जा रही है। खतरनाक स्तर तक पहुंच चुके प्रदूषण के कारण अगले तीन साल में राजधानी के 40% बच्चों के अस्थमा के शिकार होने की आशंका है। 'ग्लोबल फाउंडेशन और ग्रीन बिल्डिंग्स' के सर्वेक्षण में देश के अन्य महानगरों की तुलना में दिल्ली के बच्चों पर प्रदूषण का सबसे ज्यादा प्रभाव बताया गया है। दस से 15 साल आयु वर्ग के बच्चों पर किए गए अध्ययन में निजी और सरकारी स्कूलों को शामिल किया गया है। अध्ययन में शामिल डॉ. प्रीतिश कोल ने बताया कि राजधानी के 21 प्रतिशत बच्चों के फेफड़े असामान्य स्थिति में हैं, जबकि 19

राजधानी में बढ़ता जा रहा प्रदूषण का स्तर

वर्ष	प्रदूषण स्तर	कितना खतरनाक
2008	201	आरएनपीएम का मानक स्तर 60
2010	249	मिलीग्राम प्रति घन मीटर होना चाहिए जो 300 से ऊपर पहुंच गया है।
2012	276.9	
2014	316	

(नोट: पेटल वेस्ट इन्स्टीट्यूट की रिपोर्ट, अंशक्रे आरएनपीएम में)



सर्वेक्षण का तरीका

पीक फ्लो मीटर विधि के जरिए बच्चों की सांस की जांच की गई। डॉ. प्रीतिश कोल ने बताया कि इस उपकरण को मुंह में पांच मिनट तक रखा जाता है। इससे फेफड़े की गतिविधि को देखा जा सकता है। सर्वेक्षण में हालांकि ऐसे ही बच्चों को शामिल किया गया, जिनमें पहले कभी सांस की अस्थमा की परेशानी नहीं थी।

सैपल साइज 02 हजार से अधिक सरकारी स्कूल के बच्चों को शामिल किया गया, जबकि अध्ययन देश के चारों महानगरों में किया गया
दिल्ली: 735 | मुंबई: 573 | बेंगलुरु: 503 | कोलकाता: 562

प्रतिशत में सांस लेने में दिक्कत देखी गई। वहीं, चार अन्य शहरों में दूसरे स्थान पर बेंगलुरु है, जहां 36% बच्चों में सांस की परेशानी देखी गई। कोलकाता के 35% और मुंबई के 27% बच्चों में सांस संबंधी

परेशानी देखी गई। इस संबंध में पटेल चेस्ट इन्स्टीट्यूट के रक्सन रोग विभाग के प्रमुख डॉ. राजकुमार ने बताया कि महानगरों में ऐसे बच्चों में सांस की परेशानी अधिक है जो खुले रिक्रो या दोपहिया वाहन से स्कूल

जाते हैं। अकेले दिल्ली में 92% स्कूली बच्चे खुले वाहन से स्कूल पहुंचते हैं। मुंबई में 79, बेंगलुरु में 86 और कोलकाता में 65% बच्चे खुले वाहनों से स्कूल पहुंचते हैं।
● 3 से 4 घंटे प्रदूषण घातक: पृष्ठ-3